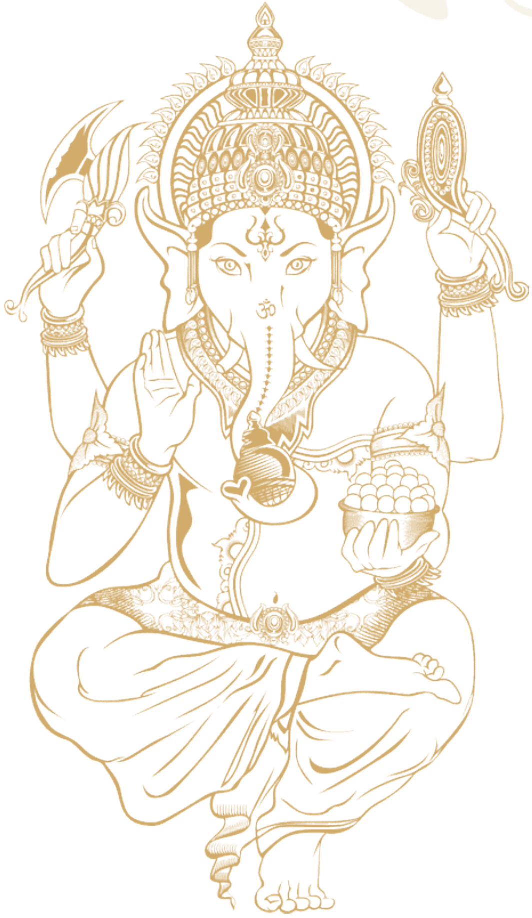

Shikhsa

07 Sep 1995

10:31 AM

Jaipur Rly Station

Model: web-freekundliweb

Order No: 121722504

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**07/09/1995**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**10:31:00 घंटे**
इष्ट	10:56:05 घटी
स्थान	**Jaipur Rly Station**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:54:00 उत्तर
रेखांश	75:48:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:04:12 घंटे
वेलान्तर	00:01:45 घंटे
साम्पातिक काल	09:07:26 घंटे
सूर्योदय	06:08:34 घंटे
सूर्यास्त	18:40:58 घंटे
दिनमान	12:32:25 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	20:19:12 सिंह
लग्न के अंश	17:32:59 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 1**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	अतिगण्ड
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	गा-गामिनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	17:32:59	312:16:20	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	सूर्य	---
सूर्य			सिंह	20:19:12	00:58:12	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	स्वराशि
चंद्र			मक	24:53:09	14:16:50	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	सम राशि
मंगल			तुला	06:08:46	00:39:37	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	सम राशि
बुध			कन्या	17:07:24	01:02:30	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	मूलत्रिकोण
गुरु			वृश्चि	13:35:34	00:06:05	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	मित्र राशि
शुक्र		अ	सिंह	25:01:22	01:14:29	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
शनि	व		कुंभ	28:06:32	00:04:33	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	स्वराशि
राहु	व		तुला	03:28:29	00:06:51	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		मेष	03:28:29	00:06:51	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	सूर्य	मित्र राशि
हर्ष	व		मक	03:04:26	00:01:22	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	शनि	---
नेप	व		धनु	29:10:57	00:00:52	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
प्लूटो			वृश्चि	04:15:43	00:00:59	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
दशम भाव			कर्क	20:35:42	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:57

लग्न-चलित

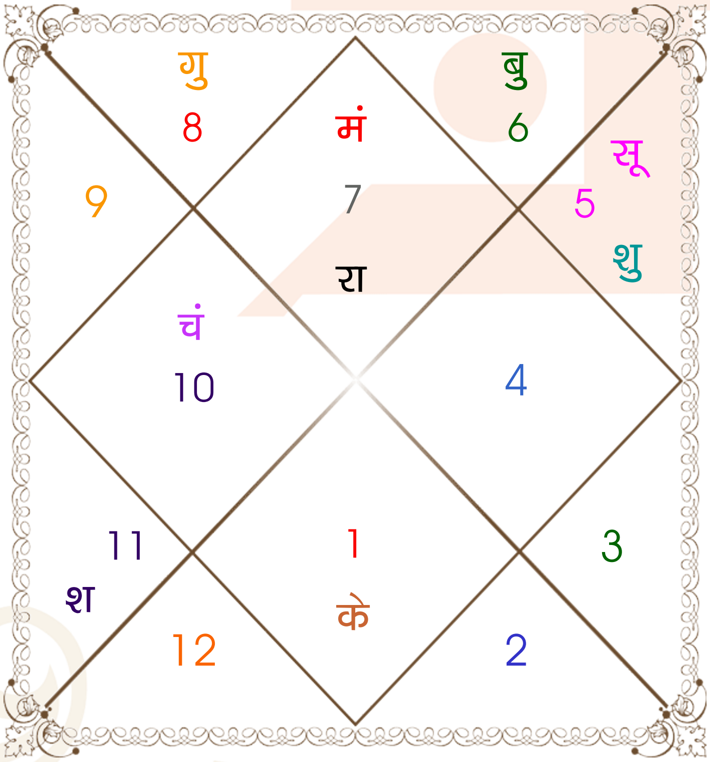

चन्द्र कुंडली

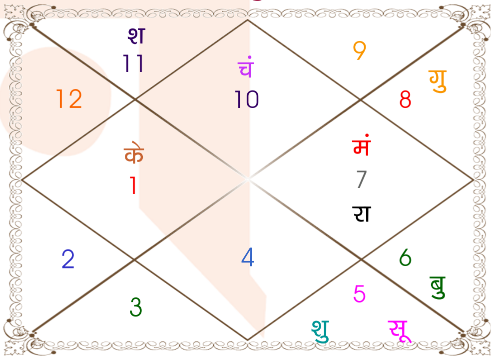

नवमांश कुंडली

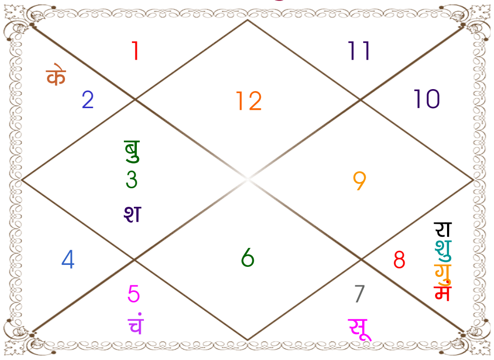

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 6 वर्ष 2 मास 6 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
07/09/1995		13/11/2001		13/11/2019		13/11/2035		13/11/2054	
13/11/2001		13/11/2019		13/11/2035		13/11/2054		13/11/2071	
	07/09/1995	राहु	26/07/2004	गुरु	01/01/2022	शनि	16/11/2038	बुध	11/04/2057
राहु	29/04/1996	गुरु	20/12/2006	शनि	14/07/2024	बुध	26/07/2041	केतु	08/04/2058
गुरु	05/04/1997	शनि	26/10/2009	बुध	20/10/2026	केतु	04/09/2042	शुक्र	06/02/2061
शनि	15/05/1998	बुध	14/05/2012	केतु	26/09/2027	शुक्र	04/11/2045	सूर्य	13/12/2061
बुध	12/05/1999	केतु	02/06/2013	शुक्र	27/05/2030	सूर्य	17/10/2046	चंद्र	15/05/2063
केतु	08/10/1999	शुक्र	01/06/2016	सूर्य	15/03/2031	चंद्र	17/05/2048	मंगल	11/05/2064
शुक्र	07/12/2000	सूर्य	26/04/2017	चंद्र	14/07/2032	मंगल	26/06/2049	राहु	28/11/2066
सूर्य	14/04/2001	चंद्र	26/10/2018	मंगल	20/06/2033	राहु	02/05/2052	गुरु	05/03/2069
चंद्र	13/11/2001	मंगल	13/11/2019	राहु	13/11/2035	गुरु	13/11/2054	शनि	13/11/2071

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
13/11/2071		13/11/2078		13/11/2098		14/11/2104		14/11/2114	
13/11/2078		13/11/2098		14/11/2104		14/11/2114		00/00/0000	
केतु	11/04/2072	शुक्र	15/03/2082	सूर्य	03/03/2099	चंद्र	14/09/2105	मंगल	12/04/2115
शुक्र	11/06/2073	सूर्य	15/03/2083	चंद्र	01/09/2099	मंगल	15/04/2106	राहु	08/09/2115
सूर्य	17/10/2073	चंद्र	13/11/2084	मंगल	07/01/2100	राहु	15/10/2107		00/00/0000
चंद्र	18/05/2074	मंगल	13/01/2086	राहु	02/12/2100	गुरु	13/02/2109		00/00/0000
मंगल	14/10/2074	राहु	13/01/2089	गुरु	20/09/2101	शनि	14/09/2110		00/00/0000
राहु	01/11/2075	गुरु	14/09/2091	शनि	02/09/2102	बुध	14/02/2112		00/00/0000
गुरु	07/10/2076	शनि	13/11/2094	बुध	10/07/2103	केतु	14/09/2112		00/00/0000
शनि	16/11/2077	बुध	13/09/2097	केतु	14/11/2103	शुक्र	16/05/2114		00/00/0000
बुध	13/11/2078	केतु	13/11/2098	शुक्र	14/11/2104	सूर्य	14/11/2114		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 6 वर्ष 2 मा 8 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुलालग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन नवमांश के साथ-साथ कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नोदयादिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप गपशप करने वाली होंगी। आपका जीवन आकर्षक परंतु आप दूसरों के साथ इर्ष्या रखने वाली होंगी।

आप अपनी आयु के 30 से 35 वें वर्ष के अंतराल में काफी धन संपति का अर्जन करेंगी तथा आपका जीवन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। आपका रूप आकर्षित होगा आप अपने प्रताप से बहुत धन का व्यय करेंगी तथा अपना सांसारिक जीवन किस प्रकार बिताया जाए। इस बात का अन्वेषण करेंगी। आप अपनी फिजूल खर्ची पर नियंत्रण करेंगी तो अनुकूल रहेंगी। अन्यथा आपकी वृद्धावस्था अति सुखद ही नहीं होगी अपितु वह अवस्था निरस भी हो जाएगी।

आप धार्मिक भावना की प्राणी होंगी। आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण कर सत्यकार्यों में दान प्रदान करेंगी। यह संभाव्य है कि आपमें अनेक गुण विद्यमान होंगे तथा आप विश्वसनीयता पूर्वक व्यवहार करेंगी। आप भगवान की कृपा से उत्तम संतान की माता होंगी। वे अपना नाम एवं अपनी प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आपको अपने जीवन संगी के रूप में उपयुक्त एवं आदर्श पति प्राप्ति हेतु मिथुन अथवा कुंभ राशि के जातक का चयन करना उत्तम होगा। परंतु यदि आपके पति कर्क, मकर अथवा मीन राशीय समुदाय के हुए तो वह आपकी आवश्यकता अथवा अनुरूपता के योग्य नहीं होंगे।

परंतु यदि आपके साथी आपको श्रेय नहीं प्रदान करे तो आपको हतोत्साह होने की आवश्यकता नहीं है। आप किसी भी तरह से अपने पति से विद्वेष नहीं करेंगी।

वास्तव में आप बहुतायत में अपने घरेलू वातावरण को अनुकूल करने के लिए तथा सुव्यवस्थित करने के लिए आपके पति बेशकीमती आभूषण एवं बहुमूल्य वस्त्रादि से युक्त अपने परिवार के जीवन यापन को प्रमुखता देंगे। आप अपने भवन को अपने मित्र एवं सगे संबंधियों की दृष्टि में आकर्षक बनाएंगी। इसके बिना आप अपने रहन सहन को दुष्कर अनुभव करेंगी।

तुला प्रभावित जातक सामान्यतः स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से उत्तम एवं उच्च स्तरीय आनंद से युक्त होता है। परंतु वह छुआछूत की बिमारी से वह अद्योगामी भी हो सकता है एवं आयुवृद्धि के कारण मूत्र संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु आपको इसके विरूद्ध सुरक्षात्मक कदम उठाने चाहिए।

आप हर दशा में धन एवं सुंदर सुखद भवन से युक्त होंगी। आप समयानुकूल अपने कार्य कलाप का संपादन करे निश्चित समय पर भोजनादि कर सकती हैं बशर्ते कि आप निम्नांकित निर्देशन का अनुपालन कर सकें।

आपके लिए अनुकूल एवं उत्तम रंग लाल, नारंगी एवं सफेद रंग है। इसके

अतिरिक्त आपको पीला एवं हरा रंगों का त्याग करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 1, 2, 4 एवं 7 अंक अनुकूल है। इसके अतिरिक्त 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए हानिकारक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।